श्री दीवान कृष्ण किशोर सनातन धर्म आदर्श संस्कृत कॉलेज एवं शोध संस्थान

जगाधरी रोड, अम्बाला, हरियाणा - 133001.

[अधीन शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार एवं संबद्ध केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली]

दीक्षारंभ कार्यक्रम प्रतिवेदन

श्री दीवान कृष्ण किशोर सनातन धर्म आदर्श संस्कृत कॉलेज, अम्बाला में गत वर्ष की भाँति इस वर्ष शैक्षणिक सत्र - २०२५-२६ हेतु दिनांक - ०१/०८/२०२५ से ११/०८/२०२५ तक दीक्षारम्भ कार्यक्रम का आयोजन बड़ी धूमधाम से आयोजित हुआ। दिनांक - ०१/०८/२०२५ को दीक्षारंभ कार्यक्रम के राष्ट्रीय संयोजक एवं अधिष्ठाता प्रो. मदनमोहन झा जी एवं केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी जी ने सुबह ११.०० बजे आभासी माध्यम से इस कार्यक्रम का उद्घाटन किया और महाविद्यालय के विद्यार्थियों को अपने प्रेरक उद्बोधन से समृद्ध किया। तदुपरांत प्राचार्य डॉ. विष्णु दत्त शर्मा जी ने महाविद्यालय के समस्त विद्यार्थियों को संस्कृत भाषा के अध्ययन और आजीविकोपार्जन क्षेत्रों हेतु संस्कृत के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए अध्ययन, समय-सारिणी, आचरण, वेश-भूषा, अनुशासन, महाविद्यालयीन गतिविधियों में सहभाग, महाविद्यालय के पूर्व छात्रों के उदाहरण, नई शिक्षा नीति आदि महत्त्वपूर्ण विषयों पर अपनी बात कही। इसके पश्चात डॉ. वीरेंदर प्रकाश जी ने अंबाला शहर, विश्वविद्यालय और संबद्ध महाविद्यालयों का परिचय देकर दीवान कृष्ण किशोर सनातन धर्म आदर्श कॉलेज के बारे में अवगत कराया।

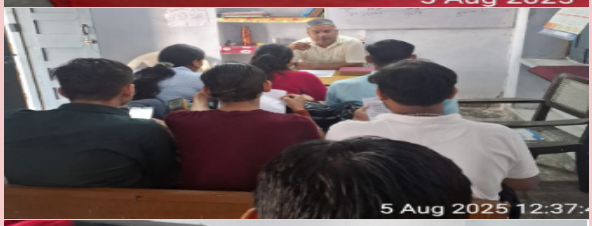

दिनांक - ०४/०८/२०२५ से ०८/०८/२०२५ तक सुबह ०९.०० से १०.०० बजे तक डॉ. मनीष भारद्वाज जी द्वारा विद्यार्थियों को दैनिक योगाभ्यास की कक्षाएँ; डॉ. बुद्धिबल्लभ देवराड़ी जी द्वारा ११.३० से ०१.३० बजे तक महाविद्यालय के

विद्यार्थियों हेतु संस्कृत संभाषण की कक्षाएँ तथा डॉ. गगनदीप सिंह जी द्वारा ०१.३० से ०२.३० बजे तक सरल अंग्रेजी की कक्षाएँ संचालित की गईं। इसके पश्चात दिनांक - ०४/०८/२०२५ को डॉ. मनोज कुमार दुबे जी द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० के अनुसार महाविद्यालय में प्राक् शास्त्री, शास्त्री, आचार्य, शोध एवं पत्रोपाधि हेतु अध्ययनार्थ उपलब्ध शास्त्रीय विषय, आधुनिक विषय, नवोन्मेषी पाठ्यक्रम, पत्रोपाधि (डिप्लोमा) पाठ्यक्रम के अंतर्गत अनिवार्य, वैकल्पिक और अतिरिक्त पत्रों का परिचय दिया तथा महाविद्यालयीन शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक कर्मचारियों का परिचय दिया।

दिनांक - ०५/०८/२०२५ योगाभ्यास, संस्कृत संभाषण और सरल अंग्रेजी अध्यापन के पश्चात डॉ. नितिन जोशी जी द्वारा परिसरीय स्थापित केंद्रों, विविध संसाधनों आदि का परिचय देते हुए विद्यार्थियों को समयानुसार उसका लाभ लेकर अपने कौशल को विकसित करने की बात कही; तो डॉ. मनीष भारद्वाज जी ने विद्यार्थियों को महाविद्यालय और विश्वविद्यालय में आयोजित विविध शैक्षणिक, सांस्कृतिक और क्रीडा संबंधी कार्यक्रमों का परिचय दिया और डॉ. रेणू वत्स जी ने विश्वविद्यालय कुलगीत का परिचय देते हुए प्रत्येक विद्यार्थियों से इस कुलगीत को कंठस्थ करने की बात कही।

दिनांक - ०६/०८/२०२५ को पुन: योगाभ्यास, संस्कृत संभाषण और सरल अंग्रेजी अध्यापन के पश्चात प्राचार्य जी द्वारा व्याख्यान हुआ जिसमें उन्होंने सभी विद्यार्थियों को महाविद्यालयीन गतिविधियों में सम्मिलित होने तथा विभिन्न स्पर्धाओं में महाविद्यालय के नाम को प्रतिष्ठित करने करने हेतु प्रेरणा दी। तत्पश्चात डॉ. वीरेंदर प्रकाश जी द्वारा सभी नवागंतुकों और अन्य विद्यार्थियों को समर्थ पोर्टल संबंधी महत्वपूर्ण सूचनाएँ और भविष्य में समर्थ पोर्टल के उपयोग संबंधी दिशानिर्देश दिए जिससे विद्यार्थी पोर्टल संबंधी अपने कार्य कर सकें।

दिनांक - ०७/०८/२०२५ को पुन: योगाभ्यास, संस्कृत संभाषण और सरल अंग्रेजी अध्यापन के पश्चात महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. श्यामनाथ झा जी द्वारा विद्यार्थियों को आई.सी.सी., एंटी रैगिंग, मादक पदार्थ निषेध विश्वविद्यालय की विविध नियमावली का परिचय कराते हुए विद्यार्थियों को विशेष ज्ञान दिया; तदनंतर डॉ. अशोक कुमार मिश्र जी द्वारा छात्र कल्याण समिति तथा छात्रों संबंधी विभिन्न समस्याओं के समाधान हेतु महाविद्यालयीन रूपरेखा प्रस्तुत की। इसके पश्चात पुस्तकालय सहायक श्री कमलेश शरमाजी द्वारा विद्यार्थियों को परिसरीय पुस्तकालय का संदर्शन कराया गया और पुस्तकालय संबंधी विशेष जानकारी दी गई।

दिनांक - ०८/०८/२०२५ को पुन: योगाभ्यास, संस्कृत संभाषण और सरल अंग्रेजी अध्यापन के पश्चात महाविद्यालय के अध्यापकों और छात्रों का विशेष संवाद सत्र आयोजित किया गया जिसमें प्रत्येक अध्यापकों ने विद्यार्थियों को अपने - अपने विषय की विशेषताओं और लाभों से अवगत कराया ताकि वे स्वेच्छानुसार विषय चयन कर अध्ययन कर सकें।

दिनांक - ०४/०८/२०२५ से समानांतर रूप से चल रहे संस्कृत सप्ताह महोत्सव और दीक्षारंभ कार्यक्रम का संपूर्ति सत्र दिनांक - ११/०८/२०२५ को सुबह ११.०० बजे आयोजित किया गया जिसके अध्यक्ष प्राचार्य डॉ. विष्णु दत्त शर्मा जी थे एवं मुख्य अतिथि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग के प्रोफेसर चंद्र कुमार झा जी थे। दीप प्रज्ज्वलन के पश्चात विद्यार्थियों द्वारा लौकिक और वैदिक मंगलाचरण प्रस्तुत किया गया। मुख्य अतिथि ने विद्यार्थियों को अष्टावक्र, सत्यकाम एवं नचिकेता के उदाहरण द्वारा छात्र जीवन से संस्कृत के महत्त्व को प्रतिपादित किया।

संस्कृत सप्ताह में आयोजित स्पर्धाओं में विजेताओं को प्रोफेसर चंद्र कुमार झा जी, प्राचार्य डॉ. विष्णु दत्त शर्मा जी, उपप्राचार्य डॉ. श्यामनाथ झा जी, डॉ. अशोक कुमार मिश्र जी एवं डॉ. मनोज कुमार दुबे जी द्वारा पदक और प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। प्राचार्य जी ने अपने उद्बोधन में दोनों कार्यक्रमों को समानांतर आयोजित करने हेतु दीक्षारंभ के संयोजक डॉ. मनोज कुमार दुबे जी एवं संस्कृत सप्ताह महोत्सव के संयोजकों डॉ. रेणू वत्स जी तथा डॉ. बुद्धिबल्लभ देवराड़ी जी की सराहना की। इस कार्यक्रम का संचालन डॉ. रेणू वत्स द्वारा किया गया एवं डॉ. नितिन जोशी जी द्वारा आभार प्रदर्शन किया गया। इसके पश्चात शांति पाठ एवं राष्ट्रगान के साथ इस दसदिवसीय कार्यक्रम का समापन हुआ।

संयोजक
डॉ. मनोज कुमार दुबे

प्राचार्य
डॉ. विष्णु दत्त शर्मा